त्वरित चारा विकास कार्यक्रम
सफलता की कहानी

दुग्ध समिति पड़दा तह.मनासा(जिला नीमच)

दुग्ध समिति पड़दा के सदस्य श्रीमती गुड्डीबाई पति दयाराम मालवीय द्वारा दुग्ध संघ, उज्जैन से केन्द्र प्रवर्तित त्वरित चारा विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राप्त चारा बीज से अपने खेत पर जई 1 हैक्टेयर की बोई गई। पहले इनके पास 3 दुधारू पशु थे जिनका 15 लीटर दूध प्रति दिन समिति में प्रदाय करते थे। जई लगातार 3 वर्षो से बो रहे है जिसके चार कटाव आते हैं जो 10 पशुओं को खिलाने के लिये पर्याप्त होता हैं। इनके द्वारा मध्यप्रदेश के बाहर से उन्नत नस्ल की एच.एफ. गाय भी खरीदी गई, जिसका वर्तमान में 70–80 लीटर दूध प्रति दिन दुग्ध समिति में प्रदाय करते हैं। इनके द्वारा डेरी फार्म आरंभ किया गया एवं चॉफ कटर द्वारा हरा चारा काटकर खिलाया जाता है। इससे 20 प्रतिशत दूध का उत्पादन भी बड़ा एवं आय के स्त्रोत भी बड़े जिससे इनके द्वारा मकान निर्माण भी करवाया गया। यही है इनकी सफलता की कहानी।